विद्यालय का नाम: रा. उत्क्रमित मध्य विद्यालय बांगरू सिमडेगा

केस स्टडी एवं वीडियो डॉक्युमेंट्री हेतु वंछित सूचनाएं:-
क) स्थान: शहरीक्षेत्र/ग्रामीणक्षेत्र
पता: ग्राम बांगरू भंडार टोली, पो खूंटीटोली सिमडेगा
ख)मोबाइल नंबर: हां/नहीं
. विद्यालय प्रभारी का मोबाइल नंबर:-7667574654
विद्यालय का ईमेल आईडी:-rkumarram1974@gmail.com

2. विद्यालय का संक्षिप्त आंकड़ा:
क) विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या: २०३
कुल छात्रों की संख्या:-१०४
कल छात्राओं की संख्या:-९९
ख) शिक्षकों की स्वीकृत बल प्राइमरीस्कूल०५ सरकारी, सहायक अध्यापक:-०३
शिक्षकों की कार्यरत बल प्राइमरी स्कूल०५ सरकारी सहायक अध्यापक: ०१
शिक्षकों की स्वीकृत बल हाईस्कूल, हायर सेकेंडरीस्कूल
शिक्षकों की कार्यरत बल (हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल)
ग) विद्यालय भवन की स्थिति: खराब, अच्छा, बहुत अच्छा- बहुत अच्छा
घ) वह कक्षाओं की संख्या: १४ कमरा
च) चारदिवारी-हैयानहीं:-है।६१४फीट
छ) पेयजल की स्थिति-कुआं बोरिंग सप्लाई पानी-बोरिंग रनिंग वाटर सप्लाई
ज) शौचालय बालक-०१(सामान्य शौचालय), विशेष आवश्यकता-०१

ckxokuh ,oacSBd

बालिका-०१
३.क) वर्तमान में विद्यालय के सशक्त बिंदु: बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
ख) वर्तमान में विद्यालय के मुख्य कमियां:-विषय आधारित शिक्षकों की कमी खेल मैदान की कमी।
ग) विद्यालय केभविष्य की अच्छी योजनाएं : शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक
४क) विद्यालय का सामाजिक परिवेश (स्थानीय क्षेत्र मेंउसकी प्रतिष्ठा) पूर्णता ग्रामीण लेकिन शिक्षित।
ख) स्थानीय संस्कृति का दबाव- बालक/बालिका समान शिक्षा पर जोर।
ग) विद्यालय का ग्रेडिंगस्थानीय स्तर पर कैसी है:-अच्छा
घ) विद्यालय से लोगों की आकांक्षाएं क्या है? बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों को प्राप्त हो।
च) विद्यालय में छात्रों की विभिन्न कौशलों के विकास का अवसर क्या है?
छ) विद्यालय के आसपास लोगों का पैसा क्याहै?, खेतीबाड़ी मुख्य तौर पर।
५:-विद्यालय की कठिन परिस्थितियों:-
क) क्या-क्याचुनौतियां हैं?
१, बच्चों की अनियमित उपस्थित,
२, ज्यादातर परिवार कृषि पर आधारित
३, सिमडेगा शहर से नजदीक होने के कारण ज्यादा अभिभावकों का पाश्चात्य शैक्षणिक पर ज्यादा जोर अर्थात समाज में अंग्रेजी माध्यम से पढ़नेवाले बच्चों एवं परिवार का ससंभारत दृष्टिकोण से आकलन फलस्वरुप ज्यादा से ज्यादा परिवार अपने आर्थिक दृष्टिकौन से विपरीत देखादेखी में मध्यको केंद्रित करने के कारण बीच में ही अधूरा शिक्ष की स्थिति बन जाती है।
५, चुनौतियांक्योंहै?
क्योंकि ग्रामीण परिवेश के कारण ज्यादातर परिवार खेतीबाड़ी में आश्रितहै, परिणामस्वरूप अभिभावक ज्यादा से ज्यादा बच्चों कोअन्य कार्यों में शामिल कर देते हैं, जिस कारण बच्चे विद्यालय से अनुपस्थित हो जाते हैं।

ckxokuh

प्राय : सभी सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक गैरशैक्षणिक कार्य में ज्यादा शामिल रहते हैं, क्योंकि पूर्व से ही विद्यालय में शिक्षकों की कमी एवं अन्य कार्यों में शिक्षकों की शामिल होने से विद्यालयों में पढ़ाई कम होती है, इस बात का प्रचार प्रसार समाज में ज्यादा फैलता है, ऐसी स्थिति में हमारे प्रतिद्वंदी हम पर स्वत हावी हो जाते हैं, औरप्राइवेटविद्यालयोंगलीमोहल्लेमेंकुकुरमुत्ताकीतरहअंग्रेजीछापकेसाथसाथउठआतेहैं।
मुख्य स्थानीय मुद्दे क्या है?
मुख्य तौर पर यदि प्राथमिकता के आधार पर देखा जाए तो शराब धंधेबाजो की संख्या सर्वाधिक है कुछ खास समाज के द्वारा महुआ दारू का चुलाई एवं बिक्री से पूरा परिवेश प्रभावित है, प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से पूरा समाज का यह एक कोढ़ है।
६) विद्यालय की वर्तमान कार्य योजना
१, आधारभूत संरचनाओं को बेहतर के साथ-साथ बेहतर शिक्षण कार्य पर जोर।

२, वर्तमान में विद्यालय का चयन पी एम श्री विद्यालय हेतु प्रारंभिक चरण में हुआ है। आत: क्षेत्र के लिए बेहतर शिक्षण केंद्र के रूप में स्थापना हेतु कृत संकल्प है।
३, विभागीय आदेशों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रयास से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया जा रहा है।यथा बालिका शिक्षा पर जोर, नशामुक्त समाज।
वर्तमान में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन की बेहतर पल से कमोवेश बहुत अच्छा परिणाम प्राप्त हुआ है।
७, विद्यालय द्वारा विद्यालय बदलाव के किए जानेवाले मुख्य बिंदुएं एवं गतिविधियां:-
शैक्षणिक माहौल के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग एवं प्रयास से विद्यालय में काफी बदलाव आया है साफ सुथरा वातावरण हेतु पूरा परिसर में फबेर ब्लॉक से अच्छा,,कर दिया गया है, जिससे पूरा परिवेश साफ सुथरा है, बेहतर पेयजल हेतु सोलर आधारित पेयजल हेतु विद्यालय में केंद्र स्थापित किया गया है, फलस्वरुप निर्वाध रूप से पेयजल की आपूर्ति है।
८, विद्यालय नेतृत्व का मूल्यांकन:-विद्यालय प्रधान काव्यवहार सभी कर्मियों एवं समाज के साथ बेहतर तालमेल है, सभी प्रकार के गतिविधियों में विद्यालय प्रधान की सहभागिता बेहतर है।
९, विद्यालय बदलाव का सिद्धांत:-बेहतर रूटिंग कार्य
जनप्रतिनिधियों से बेहतर तालमेल
सभी प्रकार के विकास कार्यों में पूर्ण सहभागिता।